भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर

कार्य- पत्रिका {ग्रीष्मावकाश कार्य}

कक्षा - दसवीं २०१५ - २०१६

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए : -

आधुनिक काल में हिन्दी ने सार्वदेशिक रूप ग्रहण कर लिया है | इसी गुण के कारण आधुनिक काल में बंगाल के केशव चंद्र सेन, सुभाष चंद्र बोस, महाराष्ट्र के लोकमान्य तिलक, गुजरात के स्वामी दयानंद, महात्मा गांधी ने इसे अपनाया और राष्ट्र भाषा के लिए इसे उपयुक्त माना | इस भाषा के माध्यम से ही स्वतंत्रता सेनानियों ने देश की जनता में राष्ट्रीय चेतना जगाई | स्वतंत्रता से पहले हिन्दी सही अर्थों में इस देश की राष्ट्रभाषा थी, क्योंकि देश के नागरिकों को भावनात्मक एकता में बाँधने वाली भाषा राष्ट्रभाषा ही है | उस भाषा के कारण ही आम जनता में एकता आती है और जन- जन संगठित होता है | स्वतंत्रता आन्दोलन की मुख्य भाषा हिन्दी ही रही | इस प्रकार यह मध्यकाल से ही अखिल भारतीय संपर्क की भाषा के रूप में विकसित हो कर प्रतिष्ठित हो गई | बोलने वालों और समझने वालों की दृष्टि से हिन्दी विश्व की भाषाओं में तीसरे स्थान पर आती है - चीनी, अंग्रेजी के बाद | हिन्दी सही अर्थों में देश की भाषाओं के बीच सेतु का काम कर रही है और धीरे - धीरे वह उसी भूमिका का निर्वाह करेगी जो इस समय अंग्रेजी भाषा कर रही है | अब हिन्दी का प्रयोग भारत की संपर्क भाषा के रूप में बढ़ता जा रहा है |

१, किस भाषा के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों ने देश की जनता में राष्ट्रीय चेतना जगाई ?

२, बोलने वालों और समझने वालों की दृष्टि से हिन्दी का स्थान विश्व में किन भाषाओं के बाद आता है ?

३, आज किस भाषा का प्रयोग संपर्क - भाषा के रूप में बढ़ता जा रहा है ?

4, हिन्दी सही अर्थों में क्या कर रही है ?

5, किन - किन महापुरुषों ने हिन्दी को अपनाया और राष्ट्र भाषा के लिए उपयुक्त माना ?

६, विश्व तथा राष्ट्र के पर्यायवाची शब्द लिखिए |